CLASS: III

SUBJECT : (HINDI)

CHAPTER NAME : अहिंसा के दूत

SUB – TOPIC – प्रस्तावना, आदर्श पठन तथा विश्लेषण

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

पुनरावृति कार्य

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

प्रस्तावना

अहिंसा के दूत

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

नम्रता की चरम सीमा का नाम ही अहिंसा है। यह भाव हमें संसार के सभी प्राणियों से प्रेम करने की प्रेरणा देता है।

बचपन से ही मोहनदास गांधी जी को पेड़ों पर चढ़ने का शौक था। पिता जी मना करते थे। उन्हें डर लगता था कि कहीं मोहन को पेड़ से गिरकर चोट न लग जाए। पिता जी के बार-बार मना करने पर भी, बालक मोहन उनकी नज़र बचाकर पेड़ों की टहनियों पर उछल-कूद किए बिना न रहते थे।

एक दिन लुक-छिपकर मोहन पेड़ पर चढ़ गए। उनके बड़े भाई ने कमरे की खिड़की से उन्हें पेड़ पर

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

चढ़ते देख लिया। पेड़ पर चढ़ते मोहन की टाँग खींचकर भाई ने मोहन को ज़मीन पर गिरा दिया। अधिक चोट तो नहीं लगी पर कुछ खरोंचे उनके शरीर पर अवश्य आ गईं। मोहन उठकर जैसे ही खड़े हुए, बड़े भाई ने उनके मुँह पर तमाचा मारते हुए कहा–"क्यों रे, मोहन! कितनी बार कहा है कि पेड़ पर नहीं चढ़ना।"

मोहन ने रोते हुए माँ से कहा–"देखो माँ, बड़े भाई ने हमें मारा है।"

माँ ने पूछा–"तुमने कोई शरारत की होगी?"

मोहन ने कहा–"शरारत नहीं की, बस पेड़ पर चढ़कर हवा का आनंद ले रहा था।"

माँ ने कहा–"तुम्हारा मतलब है भाई ने तुम्हें बेवजह मारा है। तुम भी जाकर उसे मारो।"

यह सुनकर मोहन उदास हो गया और कहा–"माँ, वे मुझसे बड़े हैं। आप मुझे बड़ों को मारना क्यों सिखाती हो?"

माँ ने कहा–"बेटा, भाइयों में तो ऐसी नोक–झोंक होती ही रहती है।"

"नहीं माँ, मैं भैया के तमाचे का जवाब तमाचे से नहीं दे सकता। आप मारने वाले को नहीं रोकती, मुझे मारना सिखाती हो।"

माँ ने बालक गांधी को गोद में भरकर कहा–"तुम्हें ऐसे जवाब कहाँ से सूझते हैं, रे मोहन?"

गांधी जी के बचपन की यह घटना हमें सिखाती है कि हिंसा का बदल हिंसा से नहीं बल्कि अहिंसा से भी लिया जा सकता है। गांधी जी मन वचन और कर्म से जीवन भर इसी सिद्धांत का पालन करते रहे। भारत के इतिहास में उन्हें 'अहिंसा के पुजारी' या 'अहिंसा के अवतार' नाम से या किया जाता है।

जीवन-सूत्र

- मनुष्य क्रोध को प्रेम से, पाप को सदाचार से, लाभ को दान से और मिथ् भाषण को सत्य से जीत सकेगा।

—गौतम बुद्

गृह कार्य

गांधी जी के बताए हुए कोई पाँच अहिंसा के अनमोल वचनों को कक्षा कार्य कॉपी में लिखें तथा उन सारे वचनों को अपने दोस्तों को बताना ताकि हम अपने जीवन को एक आदर्श जीवन बना सके

अध्ययन के परिणाम

कहानी पठन के बाद बच्चों मैं नैतिक मूल्यों का विकास हो पाएगा|

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP